भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2186 का उत्तर

रेल सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का विलय

2186. श्री पुट्टा महेश कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार आरवीएनएल, इरकॉन, रेलटेल और आईआरसीटीसी को एक इकाई के रूप में विलय करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सुधारों और विलय के कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियां क्या हैं और इनका समाधान किस प्रकार किया जा सकता है;

(ग) क्या विलय से इन सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यवल और प्रबंधन ढांचे पर प्रभाव पड़ेगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सार्वजनिक उपक्रमों में संभावित अतिरेक और नौकरी के नुकसान को दूर करने के लिए क्या उपाय किए जाएंगे; और

(ङ) क्या रेल सुधार इन सार्वजनिक उपक्रमों में अकुशलता, भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी के दीर्घकालिक मामलों का समाधान करेंगे?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल विकास निगम लिमिटेड, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम हैं और ये शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। उनके विलय का कोई भी प्रयास सक्रियता, बाजार कारकों और बाजार पूंजीकरण के संभावित प्रभाव पर आधारित है। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग को ऐसे किसी भी कदम के लिए अधिकृत है।

फिलहाल, इन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विलय का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

****